

29/5/17

वृत्त न्यायालय

प्रति सं ①

२१७
आदेश से रीडर

पत्रावली केम्प कोर्ट। न्याय आपके द्वार गुरुतां में
प्रस्तुत हुई। प्रार्थी अधिवक्ता अनु०। विपक्षी गण

① एवं ③ उपाक्षित। ~~विपक्षी गण~~ प्रकार के
संबंध में सिविल न्यायालय में वाद सं

113/16 विचाराधीन होने से मूल वाद में
कार्यवाही स्थगित होने से इस पत्रावली में कोई
कार्यवाही शेष नहीं है। पत्रावली केसल कुमार
होकर नंबर से कम हो।

ॐ